सरगम

हिंदी की अभ्यास पुस्तिका

भाग 8

त्रिलोक कौशिक

सृजन पब्लिशर्स प्रा॰ लि॰

विषय सूची

1.	कोई नहीं पराया	3
2.	हार की जीत	4
3.	भालूवाला	7
4.	होली	9
5.	नीलकंठ	10
6.	ईमानदार मछुआरा	13
7.	वारिस	15
8.	स्वतंत्रता का दीपक	17
9.	सदाचार का ताबीज़	18
10.	पृथ्वी का स्वर्ग	20
11.	आपके बच्चे	22
12.	सुनामी	23
13.	एक स्त्री का पत्र	26
14.	मानुष हौं तो	28
15.	क्या निराश हुआ जाए	29
16.	सुभागी	32
17.	बिरसा मुंडा	35
18.	युगावतार गांधी	36
19.	संवदिया	37
20.	मैंने पहली पुस्तक खरीदी	40
21.	सयानी बुआ	43
22.	अपनी आज़ादी	46
	अपठित बोध	47

1. कोई नहीं पराया

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मुझे सुनाओ तुम न स्वर्ग-सुख की सुकुमार कहानियाँ,
मेरी धरती, सौ-सौ स्वर्गों से ज़्यादा सुकुमार है,
कोई नहीं पराया, मेरा घर सारा संसार है।

1. कवि क्या नहीं सुनना चाहता है?

2. कवि अपना घर किसे मानता है?

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनामों के भेद लिखो–

(क) मेरा घर ही <u>मेरा</u> संसार है।

(ख) यहाँ <u>कोई</u> पराया नही है।

(ग) मैं <u>स्वयं</u> इस धरती को स्वर्ग मानता हूँ।

II. इस कविता का संदेश लिखो।

2. हार की जीत

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

खड्गसिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे। होते-होते सुलतान की कीर्ति उसके कानों तक भी पहुँची। उसका हृदय उसे देखने के लिए अधीर हो उठा। वह एक दिन दोपहर के समय बाबा भारती के पास पहुँचा और नमस्कार करके बैठ गया।

बाबा भारती ने पूछा, "खड्गसिंह, क्या हाल है?"

खड्गसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, "आपकी दया है।"

"कहो, इधर कैसे आ गए?"

"सुलतान की चाह खींच लाई।"

1. खड्गसिंह ने किसकी प्रसिद्धि के बारे में सुना था?

_____

2. खड्गसिंह ने बाबा भारती को अपने आने के बारे में क्या बताया?

_____

_____

3. खड्गसिंह बाबा भारती के पास कब पहुँचा और वहाँ पहुँचकर क्या किया?

_____

_____

4. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखो –

(क) प्रसिद्ध _____ (ख) अधीर _____

5. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखो –

	विशेषण	**विशेष्य**
(क) खड्गसिंह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था।	_____	_____
(ख) उस घोड़े का नाम सुलतान था।	_____	_____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की चाप को पहचान लिया और ज़ोर से हिनहिनाया। अब बाबा भारती आश्चर्य और प्रसन्नता से दौड़ते हुए अंदर घुसे और अपने प्यारे घोड़े के गले से लिपटकर इस प्रकार रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिन से बिछुड़े हुए पुत्र से मिल रहा हो। वे बार-बार उसकी पीठ पर हाथ फेरते, बार-बार उसके मुँह पर थपकियाँ देते। फिर वे संतोष से बोले, "अब कोई दीन-दुखियों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा।"

1. घोड़ा कब हिनहिनाया?

2. घोड़े के हिनहिनाने की आवाज़ सुनकर बाबा भारती ने क्या किया?

3. बाबा भारती को किस बात को लेकर संतोष हुआ?

4. रेखांकित शब्दों के शब्द-भेद लिखो –

(क) बाबा भारती अपने <u>प्यारे</u> घोड़े से लिपट गए।

(ख) घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की <u>चाप</u> को पहचान लिया।

(ग) अब <u>कोई</u> दीन-दुखियों से मुँह नहीं मोड़ेगा।

(घ) बाबा भारती <u>बार-बार</u> उसके मुँह पर थपकियाँ दे रहे थे।

(ङ) बाबा भारती प्रसन्नता से दौड़ते हुए <u>अंदर</u> घुसे।

(च) <u>वे</u> बार-बार उसकी पीठ पर हाथ फेर रहे थे।

III. बाबा भारती की ओर से डाकू खड्गसिंह को धन्यवाद देते हुए पत्र लिखो।

3. भालूवाला

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

एक था भालूवाला। उसका नाम था नीलकांत मणि। उसके एक हाथ में डुगडुगी होती और दूसरे हाथ में होती प्यारे भालू की नाक से बँधी डोरी। भालू की पीठ पर आराम से बैठी होती लाल मुँह वाली एक नटखट बंदरिया। बंदरिया का नाम था रानी। डुगडुगी की आवाज़ सुनकर जब बच्चों की भीड़ जमा हो जाती तब वह भालूवाला अपना झोला उतारकर नीचे रख देता। फिर वह रानी बंदरिया को भालू की पीठ से उतार देता। बस, उसके बाद ही खेल शुरू हो जाता। भालू अपने पिछले पैरों पर खड़ा होकर भाँति-भाँति के नाच दिखाता। उसके साथ ही रानी बंदरिया भी नाचती।

1. नीलकांत मणि के साथ कौन-कौन होते थे?

2. नीलकांत मणि जब डुगडुगी बजाता तब क्या होता था?

3. भालू किस प्रकार अपने नाच दिखाता था?

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखो –

   (क) डोरी _____ (ख) बंदरिया _____

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन बताओ –

   (क) बच्चों की <u>भीड़</u> जमा हो गई थी। _____

   (ख) भालू अपने पिछले <u>पैरों</u> पर खड़ा हो गया। _____

   (ग) भालू की नाक से <u>डोरी</u> बँधी थी। _____

   (घ) <u>बच्चे</u> बंदरिया का नाच देख रहे थे। _____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मैंने भीड़ छँटने पर भालूवाले के लड़के से पूछा, "तुम नीलकांत मणि के लड़के हो न!"
लड़के ने कहा, "हाँ, हुज़ूर!"
मैंने पूछा, "तुम्हारे पिता जी कैसे हैं?"
लड़के ने कहा, "वह मर गया, हुज़ूर!" यह कहते-कहते उसकी जीभ लड़खड़ा गई।
मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे पिता ने मेरे बारे में तुम्हें कुछ नहीं बताया था?"
लड़के ने कहा, "हाँ हुज़ूर, मैं अपने पिता के मुँह से सब कुछ सुन चुका हूँ।"

1. भालूवाले का लड़का वास्तव में कौन था?

2. अपने पिता की मृत्यु का समाचार देते समय भालूवाले की जीभ क्यों लड़खड़ा गई थी?

3. किस बात से पता चलता है कि भालूवाले का लड़का लेखक को जानता था?

4. उपर्युक्त गद्यांश में से दो प्रश्नवाचक वाक्य चुनो –
   (क)
   (ख)

5. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पदबंधों को रेखांकित करो –
   (क) यह कहते-कहते उसकी जीभ लड़खड़ा गई।
   (ख) मैं अपने पिता के मुँह से सब कुछ सुन चुका हूँ।
   (ग) हुज़ूर, वह मर गया!

4. होली

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

यह मिट्टी की चतुराई है,
रूप अलग औ' रंग अलग,
भाव, विचार, तरंग अलग हैं,
ढाल अलग, है ढंग अलग,
आज़ादी है, जिसको चाहो आज उसे वर लो,
होली है तो आज, अपरिचित से परिचय कर लो।

1. उपर्युक्त पंक्तियों का संबंध किस पर्व से है?

_____

2. 'अपरिचित' शब्द में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो।

_____

_____

3. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो। इन प्रत्ययों से दो-दो नये शब्द भी बनाओ –

(क) चतुराई = _____ + _____ = _____ _____

(ख) आज़ादी = _____ + _____ = _____ _____

4. 'रूप' शब्द में उपसर्ग तथा प्रत्यय जोड़कर दो नये शब्द बनाओ –

(क) _____ + रूप = _____

(ख) रूप + _____ = _____

II. होली का पर्व हमें क्या संदेश देता है?

_____

_____

5. नीलकंठ

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मुझे स्वयं ज्ञात नहीं कि कब नीलकंठ ने अपने आपको चिड़ियाघर के निवासी जीव-जंतुओं का सेनापति और संरक्षक नियुक्त कर लिया। सवेरे ही वह सब खरगोश, कबूतर, आदि की सेना एकत्र कर उस ओर ले जाता जहाँ दाना दिया जाता था और घूम-घूमकर मानो सबकी रखवाली करता रहता। किसी ने कुछ गड़बड़ की नहीं कि वह अपने तीखे चंचु-प्रहार से उसे दंड देने दौड़ता। दंडविधान के समान ही उन जीव-जंतुओं के प्रति उसका प्रेम भी असाधारण था। प्रायः वह मिट्टी में पंख फैलाकर बैठ जाता और वे सब उसकी लंबी पूँछ और सघन पंखों में छुप-छुपौवल जैसा खेल खेलते रहते थे।

1. नीलकंठ कौन था और वह सवेरे-सवेरे क्या करता था?

_____

_____

2. नीलकंठ अपने साथ रह रहे जीव-जंतुओं के प्रति अपना प्यार किस प्रकार दर्शाता था?

_____

_____

3. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करो और उनका भेद लिखो –

(क) मुझे कुछ भी ज्ञात नहीं है। _____

(ख) वह जीव-जंतुओं की सेना लेकर निकल पड़ता था। _____

(ग) नीलकंठ स्वयं उन जीव-जंतुओं का संरक्षक बन बैठा था। _____

(घ) किसी ने गड़बड़ की तो नीलकंठ चंचु-प्रहार करता था। _____

4. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखो –

(क) असाधारण _____ (ख) संरक्षक _____

(ग) सघन _____ (घ) प्रहार _____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

बड़े मियाँ के भाषण की तूफ़ान मेल के लिए कोई निश्चित स्टेशन नहीं है। सुननेवाला थककर जहाँ रोक दे, वहीं स्टेशन मान लिया जाता है। इस तथ्य से परिचित होने के कारण ही मैंने बीच में उन्हें रोककर पूछा, "मोर के बच्चे हैं कहाँ?" बड़े मियाँ के हाथ के संकेत का अनुसरण करते हुए मेरी दृष्टि तार के एक छोटे-से पिंजरे तक पहुँची। पिंजरा इतना संकीर्ण था कि वे पक्षी-शावक जाली के गोल फ्रेम में किसी जड़े चित्र जैसे लग रहे थे। मैंने दाम चुकता कर उन्हें खरीद लिया।

1. लेखिका किस तथ्य से परिचित थी?

2. लेखिका ने बड़े मियाँ से किसके बारे में पूछा?

3. लेखिका ने बड़े मियाँ से क्या खरीद लिया?

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग लिखो –

(क) भाषण _____ (ख) तथ्य _____

(ग) अनुसरण _____ (घ) चित्र _____

III. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करो और उनके भेद लिखो –

1. बड़े मियाँ को मासूम बच्चों पर तरस आ गया। _____
2. बड़े मियाँ ने संकीर्ण पिंजरे की ओर इशारा किया। _____
3. नीलकंठ उन जीव-जंतुओं पर अधिकार जताने लगा। _____
4. छोटे खरगोश उनके चारों ओर घूमने लगे। _____
5. कई दिनों तक कमरा अस्त-व्यस्त रहा। _____
6. मोर के दोनों बच्चे बड़े होने लगे। _____

IV. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

1. दंड

2. भूचाल

3. आक्रमण

4. व्यवहार

5. संकेत

V. 'हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

6. ईमानदार मछुआरा

I. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखो।

II. 'बेटा-बेटी एक समान' – इस विषय पर अपने विचार लगभग तीस शब्दों में लिखो।

III. इंटरनेट या अन्य स्त्रोतों की सहायता से गोवा में समुद्रतट पर रहने वाले मछुआरों के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करो और उनके बारे में अपने मित्र को पत्र लिखकर बताओ।

7. वारिस

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

घड़ी में तीन बजते ही सीढ़ियों पर लाठी की खट-खट होने लगती और मास्टर जी ऊपर आते दिखाई देते। खट-खट की आवाज़ सुनते ही हम भागकर बैठक में पहुँच जाते और अपनी कॉपियाँ और किताबें ठीक करते हुए ड्योढ़ी की तरफ़ देखने लगते। घड़ी तीन न बजा चुकी होती, तो उनके ऊपर पहुँचते-पहुँचते बजा देती। और, मास्टर जी बैठक में पहुँच जाते। भरकर रखे हुए गिलास में से दो घूँट पानी पीते और पढ़ाने बैठ जाते।

1. मास्टर जी कब आते दिखाई पड़ते थे?

2. मास्टर जी पढ़ाना शुरू करने के पहले क्या करते थे?

3. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप से वाक्य बनाओ –

(क) सीढ़ी

(ख) किताब

(ग) कॉपी

(घ) ड्योढ़ी

4. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण पदबंध की पहचान करो और उन्हें रेखांकित करो –

(क) मास्टर जी ने दो घूँट पानी पीकर पढ़ाना शुरू किया।

(ख) खट-खट की तीखी आवाज़ से लेखक सचेत हो जाते।

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

पूरे चार सप्ताह वे टाइफाइड में पड़े रहे। उन दिनों मेरी ड्यूटी लगाई गई कि मैं उनकी कोठरी में जाकर उन्हें सूप वगैरा दे आया करूँ। वैद्य जी के पास जाकर दवाई भी मुझे ही लानी होती थी। मेरा काफ़ी समय उनकी कोठरी में बीतता। कभी मैं उठकर खिड़की के पास चला जाता। खिड़की में सलाखों की जगह बाँस के टुकड़े लगे थे। गली से उठती हुई भयानक दुर्गंध से दिमाग फटने लगता। वह गली जैसे शहर का कूड़ाघर थी।

1. मास्टर जी किस बीमारी से पीड़ित थे?

2. लेखक की ड्यूटी किस काम के लिए लगाई गई थी?

3. मास्टर जी जिस गली में रहते थे, उसके बारे में लेखक ने क्या बताया है?

4. 'दुर्गंध' का संधि-विच्छेद करो।

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के भेद लिखो –

   (क) वे पूरे चार सप्ताह बीमार पड़े रहे।

   (ख) लेखक उन्हें सूप, आदि दे आया करते थे।

   (ग) गली से उठती भयानक दुर्गंध से लेखक परेशान थे।

III. 'मेरे आदर्श अध्यापक/अध्यापिका' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

8. स्वतंत्रता का दीपक

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

घोर अंधकार हो, चल रही बयार हो,
आज द्वार-द्वार पर यह दिया बुझे नहीं,
यह निशीथ का दिया ला रहा विहान है।

1. लेखक किस दीपक की बात कर रहे हैं?

_____

2. 'निशीथ का दिया' – इसका क्या अर्थ है?

_____

_____

3. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पर्याय लिखो –

(क) बयार _____

(ख) विहान _____

II. 'जलियाँवाला बाग' के बारे में जानकारी प्राप्त करो और उसके बारे में लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

9. सदाचार का ताबीज़

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

एक विशेषज्ञ ने कहा, "हुज़ूर, वह हाथ की पकड़ में नहीं आता। वह सूक्ष्म है, अगोचर है पर वह सर्वत्र व्याप्त है। उसे देखा नहीं जा सकता, केवल अनुभव किया जा सकता है।"
राजा बोल पड़े "ये गुण तो ईश्वर के हैं। तो क्या भ्रष्टाचार ईश्वर है?"
दूसरे विशेषज्ञ ने कहा, "हाँ, महाराज! अब भ्रष्टाचार ईश्वर हो गया है।"
एक दरबारी ने पूछा, "पर वह है कहाँ? कैसे अनुभव होता है?"
तीसरे विशेषज्ञ ने जवाब दिया, "वह सर्वत्र है, वह महाराज के सिंहासन में भी है।"
"सिंहासन में है?" कहकर राजा साहब उछलकर दूर खड़े हो गए।

1. पहले विशेषज्ञ ने भ्रष्टाचार के बारे में क्या बतलाया?

_____

_____

2. दरबारी ने विशेषज्ञों से क्या पूछा?

_____

_____

3. राजा सिंहासन छोड़कर क्यों दूर खड़े हो गए?

_____

_____

_____

4. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करो और समास भेद भी बताओ–

(क) अगोचर _____

(ख) विशेषज्ञ _____

(ग) सिंहासन _____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

राजा ने उसका हाथ पकड़ लिया। बोले, "मैं तुम्हारा राजा हूँ। क्या तुम आज सदाचार का ताबीज़ नहीं बाँधकर आए?"
"बाँधा है, सरकार! यह देखिए!"
उसने आस्तीन चढ़ाकर ताबीज़ दिखा दिया।
राजा असमंजस में पड़ गए, 'फिर ऐसा कैसे हो गया?'

1. राजा ने कर्मचारी का हाथ पकड़कर उससे क्या पूछा?

2. राजा असमंजस में क्यों पड़ गए?

3. उपर्युक्त पंक्तियों में से पूर्वकालिक क्रियाएँ चुनकर लिखो और उनसे वाक्य बनाओ –

(क) _____

(ख) _____

(ग) _____

III. देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के बारे में अपने विचार लिखो।

10. पृथ्वी का स्वर्ग

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

अचल चित्रकार है। वह अपने चाचा दुलीचंद के यहाँ रहता है। अचल कमरे में बैठा है। दुलीचंद कमरे में प्रवेश करता है और कुर्सी पर बैठ जाता है। उसके पीछे-पीछे बोझा ढोने वाला एक मज़दूर सिर पर संदूक लेकर आता है। कमरे में आकर वह सिर पर से संदूक उतारकर नीचे रखता है।

1. अचल के चाचा का क्या नाम है?

2. दुलीचंद के साथ कौन आता है?

3. 'उसके पीछे-पीछे मज़दूर आता है।' – इस वाक्य में क्रियाविशेषण शब्द को रेखांकित करो और उसका भेद बताओ।

II. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के कारक-भेद लिखो –

1. अचल अपने चाचा के यहाँ रहता है।
2. दुलीचंद कमरे में प्रवेश करता है।
3. एक मज़दूर सिर पर संदूक लेकर आता है।
4. वह सिर पर से बोझा उतारता है।
5. अचल कूची से चित्र बनाता है।
6. वह चाचा के लिए पानी लाता है।
7. दुलीचंद का संदूक भारी है।

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

भिखारिन – दुशाला खोला तो ये नोट नीचे गिर पड़े। ये रुपये लेना पाप है, बाबू जी! ऐसा दान मैं नहीं चाहती। और, बाबू! यह दुशाला भी रख लीजिए, यह भी नहीं लूँगी।

अचल – दुशाला मैंने तुझे दे दिया, बहन! अब इसे मैं वापस नहीं लूँगा।

(सहसा अचल के मित्र केशव का प्रवेश)

केशव – अचल! तुम्हारा ब्रुश मिल गया। मैं ले आया हूँ। यह लो ब्रुश। इससे तुम अपनी तस्वीर में पृथ्वी का स्वर्ग खींच सकते हो।

1. भिखारिन ने अचल से क्या कहा?

2. केशव ने अचल से क्या कहा?

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) स्वर्ग

(ख) तस्वीर

III. 'ईमानदारी से जीना सीखो।' – इस विषय पर अपने विचार लगभग तीस शब्दों में लिखो।

11. आपके बच्चे

I. इस कविता का भावार्थ लिखो।

II. 'आदर्श बालक' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

12. सुनामी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

यह सुनामी पहली बार धरती के जीवन को लील कर नहीं गई है बल्कि ईसा पूर्व 400 साल पहले तक का इसका दुर्दांत इतिहास उपलब्ध है। हाल के दिनों में जापान में आई सुनामी से लगभग सात वर्ष पहले भी, 26 दिसंबर सन् 2004 में आई सुनामी ने इंडोनेशिया, थाइलैंड, श्रीलंका और भारत के तमिलनाडु क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी।

1. सुनामी का इतिहास कितना पुराना है?

_____

2. सन् 2004 में आई सुनामी ने क्या किया था?

_____

_____

3. 'दुर्दांत' का संधि-विच्छेद करो। _____

II. निम्नलिखित वाक्यों में का / के / की भरो –

1. सुनामी _____ इतिहास बहुत पुराना है।
2. सुनामी _____ विभीषिका दुर्दांत होती है।
3. सुनामी _____ कारण जानमाल की काफ़ी क्षति होती है।
4. सन् 2011 में जापान में आई सुनामी _____ याद अभी भी ताज़ा है।
5. समुद्र _____ किनारे बसे लोग सुनामी से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं।
6. प्रकृति से छेड़छाड़ _____ दुष्परिणाम बाढ़ और सुनामी के रूप में देखे जा सकते हैं।
7. हमें आशा है कि भविष्य में हम सुनामी जैसी विपदाओं _____ पूर्वानुमान लगा सकेंगे।

III. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

आज हम अपने-आपको विकसित दिमाग वाला प्राणी मानते हैं। पर, विडंबना यह है कि भूकंप और सुनामी जैसी अकस्मात् आने वाली प्राकृतिक विपदाओं का पूर्वानुमान कर पाना अभी भी हमारे लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।
एक बात, जो बहुत महत्वपूर्ण है और अच्छी भी, वह है संकट की घड़ी में लगभग पूरे विश्व समुदाय का एक साथ खड़े होना, दुख-दर्द को बाँटना और केवल शाब्दिक ही नहीं, वास्तविक मदद भी करना। वहीं से आती है खतरों के बीच भी जीवन के लहलहाने की उम्मीद। साथ ही, यह उम्मीद भी कि आने वाले कल में हम ऐसी विपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर सचेत हो सकेंगे।

1. हम अपने-आपको किस प्रकार का प्राणी मानते हैं?

_____

2. प्राकृतिक आपदाओं के समय में किस बात से जीवन के लहलहाने की उम्मीद जगती है?

_____

_____

_____

3. आने वाले समय में हम किस प्रकार सचेत हो सकेंगे?

_____

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखो –

(क) विश्व _____ _____

(ख) भूकंप _____ _____

5. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो –

(क) विकसित _____ + _____

(ख) शाब्दिक _____ + _____

(ग) वास्तविक _____ + _____

(घ) प्राकृतिक _____ + _____

IV. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ–

1. अस्तित्व

2. विष

3. जीवन

4. विपदा

V. सुनामी पीड़ितों की सहायता के लिए रकम इकट्ठा करना है। इसके लिए अपील करते हुए एक सूचना तैयार करो।

13. एक स्त्री का पत्र

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

पहले मेरा स्नेह पाकर बिंदु सकुचाती थी पर धीरे-धीरे वह मुझे बहुत प्यार करने लगी। बिंदु ने प्रेम का विशाल सागर मुझपर उड़ेल दिया। मुझे कोई इतना प्यार और सम्मान दे सकेगा, यह मैंने सोचा भी न था।

बिंदु को जो प्यार-दुलार मुझसे मिला वह तुमलोगों को फूटी आँखों न सुहाया। याद आता है वह दिन जब बाज़ूबंद गायब हुआ था। बिंदु पर चोरी का इल्ज़ाम लगाने में तुमलोगों को पलभर की झिझक न हुई।

1. पत्र-लेखिका ने क्या नहीं सोचा था?

2. पत्र-लेखिका के घरवालों को क्या चीज़ अच्छी नहीं लगी?

3. बिंदु पर क्या आरोप लगाया गया था?

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की पहचान सर्वनाम या संकेतवाचक विशेषण के रूप में करो –

   (क) मुझे <u>वह</u> दिन आज भी याद है।

   (ख) <u>उसने</u> बाज़ूबंद नहीं चुराया था।

   (ग) <u>वह</u> चोर नहीं थी।

   (घ) <u>यह</u> बात मैंने सपने में भी नहीं सोची थी।

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मैं तीर्थ करने जगन्नाथपुरी आई हूँ। बिंदु को यहाँ तक आने की ज़रूरत नहीं पड़ी। लेकिन, मेरे लिए यह ज़रूरी हो गया था। तुम्हारे घर में खाने-पीने की कमी कभी नहीं हुई। मुझे कोई शिकायत नहीं है लेकिन अब मैं लौटकर तुम्हारे घर नहीं जाऊँगी। मैंने बिंदु को देखा। घर-गृहस्थी में लिपटी औरत का परिचय मैं पा चुकी। अब मुझे उसकी ज़रूरत नहीं। मैं तुम्हारी चौखट लाँघ चुकी। तुम्हारे घर की मझली बहू खत्म हुई। इस वक्त मैं अनंत व अथाह नीले समुद्र के सामने खड़ी हूँ।

1. पत्र-लेखिका तीर्थ करने के लिए कहाँ आई है?

2. पत्र-लेखिका को किस बात की शिकायत नहीं है?

3. पत्र-लेखिका इस समय कहाँ पर खड़ी है?

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करो–

   (क) जगन्नाथ (ख) अनंत

5. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करो उनके और समास-भेद बताओ –

   (क) अथाह

   (ख) तीर्थयात्रा

III. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ समझकर लिखो –

नारी निंदा ना करि, नारी-नर होत एक समान।
नारी से नर होत हैं, जानत सकल जहान।।

14. मानुष हौं तो

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

या लकुटी अरु कमरिया पर, राज तिहुँपुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि, नवों निधि को सुख, नंद की धेनु चराय बिसारौं।।
रसखानि कबौं इन आँखन सों ब्रज के, बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक हू कलधौत के धाम, करील के कुँजन ऊपर वारौं।।

1. इन पंक्तियों का सरलार्थ लिखो।

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो –

(क) आँखन _____ (ख) आठहुँ _____

(ग) कमरिया _____ (घ) चराय _____

II. क्या तुम पुनर्जन्म में विश्वास रखते हो? कारणसहित उत्तर दो।

15. क्या निराश हुआ जाए

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं। वहीं, झूठ तथा फ़रेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

1. आजकल किस प्रकार का माहौल बना हुआ है?

2. आजकल किस प्रकार के लोग मालामाल हो रहे हैं?

3. ईमानदारी को आजकल क्या समझा जाता है?

4. जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था के हिलने का क्या कारण है?

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो –

(क) ईमानदारी _____ (ख) आस्था _____

(ग) मेहनती _____ (घ) मूर्खता _____

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) जीविका

(ख) आस्था

(ग) बेबस

(घ) मेहनत

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मैं भी बहुत भयभीत था पर ड्राइवर को किसी प्रकार मारपीट से बचाया। डेढ़–दो घंटे बीत गए। मेरे बच्चे भोजन और पानी के लिए व्याकुल थे। मेरी पत्नी की हालत भी बुरी थी। लोगों ने ड्राइवर को मारा तो नहीं पर उसे बस से उतारकर एक जगह घेरकर रखा। इसी समय क्या देखा कि एक खाली बस चली आ रही थी और उसपर हमारा बस कंडक्टर भी बैठा हुआ था।

1. लेखक ने किसे बचाया?

2. लेखक के बच्चों और पत्नी की हालत कैसी हो गई थी?

3. लेखक ने क्या देखा?

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के भेद लिखो –

(क) मेरे बच्चे भोजन और पानी के लिए व्याकुल थे। _____

(ख) डेढ़-दो घंटे बीत गए थे। _____

(ग) एक खाली बस चली आ रही थी। _____

(घ) उसपर हमारा बस कंडक्टर बैठा था। _____

III. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों को रेखांकित करो और उनके भेद लिखो –

1. बस अचानक रुक गई। _____
2. लोग आजकल अपनी सुख-सुविधाओं पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। _____
3. मैंने किसी प्रकार उसे पिटने से बचाया। _____
4. बस कंडक्टर बाहर आया। _____

IV. 'ईमानदारी की महत्ता'– इस विषय पर अपने विचार लिखो।

16. सुभागी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

और लोगों के यहाँ चाहे जो होता हो, तुलसी महतो अपनी लड़की सुभागी को लड़के रामू से जौभर भी कम प्यार न करते थे। रामू जवान होकर भी काठ का उल्लू था। सुभागी ग्यारह साल की बालिका होकर भी घर के काम में इतनी चतुर और खेतीबाड़ी के काम में इतनी निपुण थी कि उसकी माँ लक्ष्मी दिल में डरती रहती कि कहीं लड़की पर देवताओं की आँख न पड़ जाए। वही सुभागी आज ग्यारह साल की उम्र में विधवा हो गई।

1. रामू और सुभागी कौन थे?

2. लक्ष्मी कौन थी और उन्हें किस बात की चिंता रहती थी?

3. सुभागी जब विधवा हुई तो वह कितने वर्ष की थी?

4. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करो और उनके भेद भी लिखो –

   (क) जौभर

   (ख) खेतीबाड़ी

II. निर्देशानुसार काल बदलकर निम्नलिखित वाक्यों को दोबारा लिखो –

1. लक्ष्मी चुप रही। (भविष्यत् काल में)

2. यह पूछकर क्या करोगी। (वर्तमान काल में)

3. मैं इन रुपयों की देनदार हूँ। (भविष्यत् काल में)

4. इतना सम्मान पाकर सुभागी खुश थी। (वर्तमान काल में)

5. उन्हें मना करना अच्छी बात नहीं होगी। (भूतकाल में)

6. मैंने तो अपनी बेटी को ही रत्न समझा है। (भूतकाल में)

III. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

"मेरी इच्छा है कि तुम मेरी बहू बनकर मेरे घर को पवित्र करो। मैं जात-पाँत का कायल हूँ मगर तुमने मेरे सारे बंधन तोड़ दिए। बोलो, मंज़ूर करती हो?"
"दादा, इतना सम्मान पाकर पागल हो जाऊँगी।"
"तुम्हारा सम्मान भगवान कर रहे हैं, बेटी! तुम साक्षात् भगवती का अवतार हो।"
"मैं तो आपको अपना पिता समझती हूँ। आप जो कुछ करेंगे, मेरे भले ही के लिए करेंगे। आपके हुक्म का कैसे इनकार कर सकती हूँ?"

1. सज्जनसिंह ने सुभागी से क्या इच्छा जताई?

2. सुभागी ने पिता तुल्य सज्जनसिंह से क्या कहा?

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाओ–

(क) सम्मान _____ (ख) पवित्रता _____

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) बंधन

(ख) अवतार

(ग) सम्मान

(घ) पवित्र

(ङ) इच्छा

IV. 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' पर भाषण देने के लिए प्रारूप तैयार करो।

17. बिरसा मुंडा

I. बिरसा मुंडा की जीवनी अपने शब्दों में लिखो।

II. कुछ महापुरुष अपने किन गुणों के कारण देवता के समान पूजे जाते हैं? अपने विचार लिखो।

18. युगावतार गांधी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

हे युग-दृष्टा, हे युग-स्रष्टा,
पढ़ते कैसा यह मोक्ष-मंत्र?
इस राजतंत्र के खंडहर में,
उगता अभिनव भारत स्वतंत्र!

1. उपर्युक्त पंक्तियाँ किस महापुरुष से संबंधित हैं?

2. कवि ने उपर्युक्त पंक्तियों के माध्यम से क्या बताना चाहा है?

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) राजतंत्र

(ख) स्वतंत्र

(ग) खंडहर

II. 'गांधी जी और भारत'– इस विषय पर लगभग तीस शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

19. संवदिया

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन से कहा, "हरगोबिन भाई, तुमको एक संवाद ले जाना है।"
"कहाँ?"
"मेरी माँ के पास।"
हरगोबिन बड़ी बहुरिया की छलछलाई आँखों में डूब गया, "कहिए, क्या संवाद है?"
संवाद सुनाते समय बड़ी बहुरिया सिसकने लगी। सिसकती हुई बोली, "माँ से कहना भाई-भाभियों की नौकरी करके पेट पालूँगी। बच्चों के जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी लेकिन यहाँ अब न रह सकूँगी। कहना, यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएगी तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरूँगी।"

1. बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को किसलिए बुलाया था?

2. बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन से क्या कहा?

3. हरगोबिन को संवाद लेकर कहाँ जाना था?

4. बड़ी बहुरिया का संवाद क्या था?

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के कारक-भेद लिखो–

(क) बड़ी बहुरिया ने <u>हरगोबिन</u> से कुछ कहा।

(ख) मैं <u>बच्चों</u> के जूठन खाकर पेट भर लूँगी।

(ग) बड़ी बहुरिया ने <u>पोखरे</u> में डूब मरने की बात कही।

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) सुनाना _____

_____

(ख) सिसकना _____

_____

(ग) डूबना _____

_____

(घ) मरना _____

_____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

"माय जी, आपके आशीर्वाद से सब ठीक है। कल सिरसिया गाँव आया था तो सोचा कि एक बार चलकर आपलोगों के दर्शन कर लें।"
बूढ़ी माता कुछ उदास-सी हो गईं, "तो तुम कोई संवाद लेकर नहीं आए हो?"
"जी नहीं, कोई संवाद नहीं। वैसे बड़ी बहुरिया कह रही थीं कि दशहरा के समय गंगा जी के मेले में आकर माँ से भेंट-मुलाकात कर जावेंगी।"

1. हरगोबिन ने किस गाँव का नाम लिया था?

_____

2. बूढ़ी माता के उदास होने का क्या कारण था?

_____

_____

3. बड़ी बहुरिया के बारे में हरगोबिन ने क्या झूठ बोला था?

_____

_____

4. 'भेंट-मुलाकात' शब्द का समास-विग्रह करो और समास-भेद भी लिखो।

_____

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) आशीर्वाद

(ख) उदास

(ग) दर्शन

(घ) मेला

III. तुम्हारी दादी माँ की तबियत खराब है। उन्हें लेकर आने के लिए अपने दादा जी को पत्र लिखो।

20. मैंने पहली पुस्तक खरीदी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

बचपन की बात है। पिता जी की अच्छी-खासी सरकारी नौकरी थी, बर्मा रोड जब बन रहा था तब बहुत कमाया था उन्होंने। लेकिन मेरे जन्म के पहले ही गांधी जी के आह्वान पर उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। हमलोग बड़े आर्थिक कष्टों से गुज़र रहे थे फिर भी घर में नियमित पत्र-पत्रिकाएँ आती थीं–'आर्यमित्र', 'साप्ताहिक', 'वेदोदय', 'सरस्वती', 'गृहणी', और दो बाल पत्रिकाएँ खास मेरे लिए–'बालसखा' और 'चमचम'। मुझे पढ़ने की चाह लग गई। हर समय पढ़ता रहता। खाना खाते समय थाली के पास पत्रिकाएँ रखकर पढ़ता।

1. लेखक ने अपने पिता जी के बारे में क्या-क्या बतलाया?

_____

_____

2. लेखक के घर में कौन-कौन सी पत्रिकाएँ आती थीं?

_____

_____

3. किन बातों से पता चलता है कि बचपन से ही लेखक के मन में पढ़ने की चाह लग गई थी?

_____

_____

4. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो –

(क) सरकारी _____ + _____

(ख) आर्थिक _____ + _____

(ग) साप्ताहिक _____ + _____

(घ) नियमित _____ + _____

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) नियमित

(ख) नौकरी

(ग) जन्म

(घ) कष्ट

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

मैंने माँ को बताया कि किताबें खरीदने के बाद भी दो रुपये बचे हैं। वे दो रुपये लेकर माँ की सहमति से फ़िल्म देखने गया। पहला शो छूटने में देर थी। पास में अपनी परिचित किताब की दुकान थी। वहीं चक्कर लगाने लगा। सहसा काउंटर पर रखी एक पुस्तक देखी–'देवदास', लेखक शरतचंद्र चट्टोपाध्याय, दाम केवल एक रुपया। मैंने पुस्तक उठाकर उलटी-पलटी तो पुस्तक-विक्रेता बोला, "तुम विद्यार्थी हो, यहीं अपनी पुस्तकें बेचते हो और हमारे पुराने ग्राहक हो। तुमसे अपना कमीशन नहीं लूँगा, केवल दस आने में यह किताब दे दूँगा।"

1. लेखक ने माँ को क्या बताया?

2. लेखक ने किस पुस्तक के बारे में ज़िक्र किया है?

3. पुस्तक-विक्रेता ने रियायती दर पर पुस्तक देने की बात क्यों की थी?

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों की पहचान करो –

(क) वह वहीं चक्कर <u>लगाने लगा</u>। _____

(ख) पास में <u>अपनी परिचित किताब</u> की दुकान थी। _____

(ग) <u>वे दो रुपये लेकर</u> मैं फ़िल्म देखने गया। _____

5. 'विद्यार्थी' शब्द का संधि-विच्छेद करो। _____

6. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर विलोम शब्द बनाओ –

(क) सहमति _____

(ख) परिचित _____

(ग) क्रेता _____

III. 'सिनेमा का समाज पर प्रभाव' – इस विषय पर लगभग अस्सी शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

21. सयानी बुआ

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

बचपन से ही वे समय की जितनी पाबंद थीं, अपना सामान सँभालकर रखने में जितनी पटु थीं और व्यवस्था की जितनी कायल थीं, उसे देखकर चकित हो जाना पड़ता था। कहते हैं, जो पेंसिल वह एक बार खरीदती थीं, वह जब तक इतनी छोटी न हो जाती कि उनकी पकड़ में भी न आए, तब तक उससे काम लेती थीं। जो रबर उन्होंने चौथी कक्षा में खरीदी थी, उसे नवीं कक्षा में आकर समाप्त किया।

ऐसी ही सयानी बुआ के पास जाकर पढ़ने का प्रस्ताव जब मेरे सामने रखा गया तो कल्पना कीजिए, मुझपर क्या बीती होगी। मैंने साफ़ इनकार कर दिया कि मुझे आगे पढ़ना ही नहीं।

1. बुआ की किन-किन विशेषताओं को देखकर चकित हो जाना पड़ता था?

2. लेखक ने रबर का उल्लेख करते हुए क्या कहा है?

3. लेखक ने किस बात के लिए इनकार कर दिया और क्यों?

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताओ –

(क) व्यवस्था _____ (ख) प्रस्ताव _____

(ग) कल्पना _____ (घ) समय _____

(ङ) सामान _____ (च) पेंसिल _____

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) व्यवस्था

(ख) चकित

(ग) पकड़

(घ) पटु

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

भाई साहब का पत्र रोज़ आता था, जिसमें अन्नू की तबियत के समाचार रहते थे। बुआ जी भी रोज़ एक पत्र लिखती थीं जिसमें अपनी उन मौखिक हिदायतों को लिखित रूप में दोहरा दिया करती थीं। पत्रों की तारीख में अंतर रहता था, बात शायद सबमें वही रहती थी। मेरे तो मन में आता कि कह दूँ–'बुआ जी, रोज़ पत्र लिखने का कष्ट क्यों करती हैं, भाई साहब को लिख दीजिए कि एक पत्र गत्ते पर चिपकाकर पलंग के सामने लटका लें और रोज़ सवेरे उठकर पढ़ लिया करें।' पर, इतना साहस था नहीं कि यह बात कह सकूँ।

1. भाई साहब के पत्र में क्या लिखा होता था?

2. बुआ जी के पत्र में किन बातों का दोहराव होता था?

3. लेखक के मन में क्या आता था?

4. निम्नलिखित क्रिया शब्दों से पूर्वकालिक क्रियाएँ बनाओ –

(क) लिखना _____ (ख) चिपकाना _____

(ग) पढ़ना _____ (घ) दोहराना _____

5. निम्नलिखित क्रियाओं से प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाओ –

(क) लिखना _____ (ख) देना _____

(ग) पढ़ना _____ (घ) कहना _____

III. तुम्हारी बुआ जी बीमार हैं। उन्हें देखने के लिए तुम्हें अपने परिवार के साथ जाना है। इस हेतु प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापिका से दो दिनों का अवकाश माँगते हुए आवेदन पत्र लिखो।

22. अपनी आज़ादी

I. इस पाठ से मिलने वाला संदेश लिखो।

II. 'हमारा प्यारा देश भारत' – इस विषय पर लगभग अस्सी शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

अपठित बोध

I. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

"अब समय आ गया है कि बेटियों को लेकर माता-पिता को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। अभिभावकों को बेटियों को बोझ या ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि उन्हें अपनी पूँजी समझना होगा। महिलाओं के हितों में बने कानून प्रभावी ढंग से लागू हों और इसके लिए समाज का जागरूक होना ज़रूरी है।" यह बातें राज्यसभा की उपाध्यक्ष रह चुकीं नजमा हेपतुल्ला ने दैनिक हिंदुस्तान से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जिस तरह से दहेज प्रथा जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए 'लक्ष्मी' नाम से एक योजना शुरू की गई है, उसी तरह से पूरे देश में कुछ योजनाएँ शुरू होनी चाहिए।

1. नजमा हेपतुल्ला के अनुसार, अब किस बात का समय आ गया है?

_____

_____

2. किस बात के लिए समाज को जागरूक होना होगा?

_____

_____

3. 'लक्ष्मी' नामक योजना का क्या उद्देश्य है?

_____

_____

4. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

_____

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखो –

(क) कुरीति _____ + _____

(ख) प्रभावी _____ + _____

II. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

रण बीच चौकड़ी भर-भरकर
चेतक बन गया निराला था,
राणा प्रताप के घोड़े से
पड़ गया हवा का पाला था।
गिरता न कभी चेतक तन पर
राणा प्रताप का कोड़ा था,
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर
या आसमान पर घोड़ा था।

1. चेतक कौन था?

2. 'चेतक से हवा का पाला पड़ गया था।' – इस कथन का क्या अर्थ है?

3. क्या चेतक को अपने स्वामी की मार झेलनी पड़ी थी?

4. इस पद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखो –

(क) अरि _____ _____

(ख) तन _____ _____